हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHIN/2022/83621

जनता का सच

वर्ष 05 अंक 23 | लखनऊ शनिवार 13 जून 2026 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

हर शहर,गांव को ग्रीन मोबिलिटी इलेक्ट्रिक सेवा से जोड़ेंगे : योगी

सीएम योगी ने नोएडा इलेक्ट्रिक बस डिपो का भी किया शुभारंभ किया

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को ग्रीन मोबिलिटी व सस्टेनेबल डेवलपमेंट का विजन दिया है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार आने वाले समय में हर शहर-गांव को पेट्रोल-डीजल मुक्त ग्रीन मोबिलिटी इलेक्ट्रिक सेवा से जोड़ेगी। हर व्यक्ति को बेहतर, आरामदायक व पर्यावरण अनुकूल परिवहन सेवा मिलने पर जोर देते हुए सीएम ने कहा कि प्रदेश में परिवहन विभाग का बेड़ा बड़ा हो रहा है, उनके कार्य भी बड़े दिखने चाहिए। सीएम योगी ने शुक्रवार को नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यीडा क्षेत्र में जेवर एयरपोर्ट तक संचालित होने वाली उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की 45 इलेक्ट्रिक बसों व 3 हाइड्रोजन बसों को लखनऊ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये फ्लैग ऑफ किया। उन्होंने इस अवसर पर नोएडा इलेक्ट्रिक बस डिपो का भी शुभारंभ किया। अपने संबोधन में सीएम ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ पश्चिम एशिया में चल रहे गतिरोध बड़ी चुनौतियां हैं। इनके कारण दुनिया वायु प्रदूषण, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, ओलावृष्टि का सामना कर रही है। दुनिया पर थोपे गए युद्धों की कीमत पूरी मानवता चुका रही है। पीएम के विजन को धरातल पर उतारने के लिए 15 जून से भारत के सबसे बड़े हवाई अड्डे (नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट) का संचालन प्रारंभ होने जा रहा है। देश के सबसे बड़े आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक हब तथा सुचारु वायुसेवा की दृष्टि से यात्रियों, नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तीनों अथॉरिटी (नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यीडा) ने परिवहन निगम के माध्यम से यह सेवा प्रारंभ की है। यह नेट जीरो लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना अथॉरिटी आईटी-इलेक्ट्रॉनिक्स, डेटा सेंटर, स्टार्टअप्स, सेमीकंडक्टर समेत अन्य औद्योगिक गतिविधियों के बड़े केंद्र के रूप में उभरी हैं। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों को वहां लाने के साथ ही पर्यावरण अनुकूल परिवहन समय की मांग है। वहां कुछ क्षेत्रों में मेट्रो का संचालन भी हो रहा है, लेकिन लास्ट माइल कनेक्टिविटी की दृष्टि से इलेक्ट्रिक बस का संचालन मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। 15 जून तक तीनों अथॉरिटी द्वारा 110 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन प्रारंभ होगा। मांग के अनुरूप इसमें क्रमिक बढ़ोतरी कर 500 बसों का संचालन भी तीनों अथॉरिटी के माध्यम से किया जाएगा। सीएम योगी ने 2017 के पहले और इससे बाद के उत्तर प्रदेश का फर्क समझाया। कहा कि नए भारत के नए उत्तर प्रदेश में परिवर्तन दिख रहा है और 9 वर्ष में यह परिवर्तन डबल इंजन सरकार ने किया है। 2017 से पहले टूटी सड़कें, नदारद बिजली, असुरक्षा, अराजकता व अव्यवस्था के वातावरण में नागरिकों के सामने पहचान का संकट खड़ा था, तब उत्तर प्रदेश में निवेश की बात दिवास्वप्न थी।

वैष्णव ने की आरआरबी भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा

पारदर्शिता और तकनीक आधारित भर्ती पर जोर

नई दिल्ली,एजेंसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) की भर्ती प्रक्रिया की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की और भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सटीक तथा तकनीक आधारित बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रेलवे की भर्ती प्रणाली को नई तकनीक, तेज प्रक्रियाओं और अधिक जवाबदेही के साथ लगातार बेहतर बनाया जाना चाहिए।बैठक में बताया गया कि भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान छह प्रमुख श्रेणियों में विभिन्न भर्ती चक्रों के माध्यम से 43,781 अभ्यर्थियों को रोजगार दिया है। यह भर्ती 47,084 रिक्त पदों के लिए की गई चयन प्रक्रियाओं के तहत हुई है। इनमें 18,799 सहायक लोको पायलट (एएलपी), 14,298 तकनीशियन, 452 सब-इंस्पेक्टर, 4,208 कांस्टेबल, 7,951 जूनियर इंजीनियर/डीएमएस/सीएमए तथा 1,376 पैरामेडिकल पद शामिल हैं। रेल मंत्री ने कहा कि वार्षिक भर्ती कैलेंडर और तिमाही आधार पर जारी होने वाली रिक्तियों की अधिसूचनाओं को अभ्यर्थियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। इससे उम्मीदवारों को अपनी तैयारी की बेहतर योजना बनाने में मदद मिल रही है और भर्ती प्रक्रिया में ज्यादा स्पष्टता और निश्चितता आती है।उन्होंने विभागीय परीक्षाओं को पूरी तरह कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) प्रणाली में लाने की प्रगति की भी समीक्षा की। वैष्णव ने निर्देश दिया कि जहां संभव हो, टैबलेट आधारित परीक्षाओं का दायरा बढ़ाया जाए ताकि भर्ती प्रक्रिया और अधिक तेज, प्रभावी तथा अभ्यर्थी-अनुकूल बन सके। बैठक में यह भी बताया गया कि रेलवे की भर्ती परीक्षाएं देशभर के विभिन्न शहरों में अनेक केंद्रों पर आयोजित की जाती हैं। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों को समायोजित करने के लिए परीक्षाएं कई शिफ्टों में तथा 15 भाषाओं में आयोजित की जाती हैं, जिससे सभी क्षेत्रों के उम्मीदवारों को समान अवसर मिल सके। रेल मंत्री ने रेलवे भर्ती बोर्डों को अभ्यर्थियों और अन्य हितधारकों के साथ संवाद मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भर्ती से जुड़ी भ्रामक सूचनाओं का तुरंत खंडन किया जाना चाहिए ताकि उम्मीदवारों तक सही जानकारी पहुंचे और भर्ती प्रक्रिया पर उनका विश्वास बना रहे। उन्होंने दोहराया कि भारतीय रेलवे निष्पक्ष, पारदर्शी और योग्यता आधारित भर्ती व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है तथा तकनीक, सुव्यवस्थित योजना और सतत सुधारों के माध्यम से युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास जारी रखेगा।

अगले कुछ दिनों के दौरान भीषण गर्मी से राहत मिलने के आसार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई हिस्सों में अगले कुछ दिनों के दौरान मौसम का मिजाज बदलने के आसार हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार एक तरफ उत्तर-पश्चिम भारत को भीषण गर्मी से राहत मिलगी, वहीं दूसरी तरफ मध्य और पश्चिमी भारत के कुछ इलाकों में लू का प्रकोप जारी रहेगा। आईएमडी के अनुसार राजधानी में शनिवार दोपहर या शाम के दौरान तेज हवाओं और गरज के साथ हल्की बारिश होने के आसार हैं। यहां का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 36-38 डिग्री सेल्सियस और 22-24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। 14 जून को दोपहर और शाम के दौरान आंधी-तूफान जैसी स्थिति बनने का अनुमान है। इस दिन का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37-39 डिग्री सेल्सियस और 23-25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

कोलकाता की सरकारी बिल्डिंग में आग, 4 हजार ईवीएम मशीन जलीं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक सरकारी बिल्डिंग में आग लगने से करीब 4 हजार ईवीएम जल गईं। ये मशीनें विधानसभा चुनाव में 10 सीटों पर इस्तेमाल की गई थीं। घटना के बाद टीएमसी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने सवाल उठाए हैं। वहीं, पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री कौशिक चौधरी ने कहा कि आग सामान्य नहीं लगती। एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। बिल्डिंग में दक्षिण 24 परगना जिला परिषद समेत कई सरकारी दफ्तर हैं। आग पर पूरी तरह काबू पाने में करीब 24 घंटे लगे। टीएमसी ने एक्स पर आग का वीडिया शेयर कर लिखा, 4 हजार कंट्रोल यूनिट, 4 हजार बैलेट यूनिट और 4 हजार इवीएम मशीनें नष्ट हो गईं। ये मशीनें कस्बा, जादवपुर, बेहाला ईस्ट, बेहाला वेस्ट, मेटियाबुरुज, सतगछिया और डायमंड हार्बर सब-डिवीजन की कई विधानसभा सीटों से जुड़ी थीं।÷

भाजपा ने भारतीय राजनीति में भरोसे के संकट को किया दूर : राजनाथ

हैदराबाद, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को सिकंदराबाद में आयोजित 'विकसित भारत संकल्प सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा कि राजनीति में किसी भी नेता की सबसे बड़ी पूंजी उसकी विश्वसनीयता होती है और यदि भारतीय राजनीति में भरोसे के संकट को किसी दल ने दूर किया है तो वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) है। हाल के चुनावों में जनता ने उन लोगों को करारा जवाब दिया है जिन्होंने उसका विश्वास तोड़ा।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ स्पष्ट नीति अपनाई है और यह तय किया गया है कि न तो सरकार भ्रष्टाचार करेगी और न ही किसी को करने दिया जाएगा। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि उसके शासनकाल में कई बड़े घोटाले सामने आए, जिनमें कोयला घोटाला, 2जी घोटाला और कॉमनवेल्थ घोटाला शामिल हैं, जिनसे देश को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। रक्षा मंत्री ने कहा कि देश के रक्षा क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ, रक्षा सार्वजनिक उपक्रम, निजी उद्योग, स्टार्टअप, एमएसएमई और शिक्षा जगत अब पहले से अधिक समन्वय के साथ काम कर रहे हैं। यह सहयोगात्मक मॉडल भारत की नवाचार से उत्पादन और उत्पादन से संचालन क्षमता की यात्रा को तेज करेगा।उन्होंने कहा कि सरकार स्वदेशी रक्षा तकनीक को बढ़ावा देने के लिए रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन पर पूरा भरोसा कर रही है और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है। इससे पहले शुक्रवार सुबह बेगमपेट हवाई अड्डे पर पहुंचने पर राजनाथ सिंह का स्वागत सैन्य अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों के साथ-साथ भाजपा नेताओं ने किया। स्वागत करने वालों में तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव, सांसद बी. लक्ष्मण और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी शामिल रहे।

एनटीए ने बढ़ाया नीट परीक्षा का समय

अब परीक्षार्थियों मिलेगा 15 मिनट का अधिक समय

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (यूजी) -2026 परीक्षा को अधिक छात्र-अनुकूल बनाने के लिए परीक्षा समय को 15 मिनट बढ़ाने का फैसला किया है। एनटीए ने शुक्रवार को सार्वजनिक सूचना जारी कर कहा कि 21 जून को आयोजित होने वाली परीक्षा में परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए परीक्षा की कुल अवधि बढ़ाकर 195 मिनट कर दी गई है। अब परीक्षा दोपहर दो बजे से शाम सवा पांच बजे तक आयोजित होगी। इस अतिरिक्त समय में उपस्थिति पत्रक पर हस्ताक्षर और अन्य अनिवार्य औपचारिकताओं का समय भी शामिल रहेगा, जिससे छात्रों को वास्तविक परीक्षा समय में किसी प्रकार की कमी महसूस नहीं होगी। इसके अलावा, प्रश्न पुस्तिका में रफ वर्क के लिए उपलब्ध स्थान को भी बढ़ाया गया है। पहले जहां केवल दो रफ वर्क पेज दिए जाते थे, वहीं अब छात्रों को चार रफ वर्क पेज उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे गणनाएं, आरेख और अन्य कार्य करने में अधिक सुविधा मिलेगी। एनटीए ने प्रश्न पुस्तिका के डिजाइन में भी बदलाव किया है। पहले रफ वर्क के सभी पृष्ठ पुस्तिका के अंत में दिए जाते थे लेकिन कई अभ्यर्थियों, विशेषकर बाएं हाथ से लिखने वाले छात्रों ने इसे असुविधाजनक बताया था। इस समस्या के समाधान के लिए अब दो रफ वर्क पेज निर्देश पृष्ठ के तुरंत बाद प्रारंभ में और दो पेज पुस्तिका के अंत में दिए जाएंगे। यह व्यवस्था अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषा दोनों संस्करणों में लागू होगी। एजेंसी का कहना है कि परीक्षा प्रणाली में किए गए ये छोटे-छोटे सुधार अभ्यर्थियों के परीक्षा अनुभव को बेहतर बनाने में मदद करेंगे। इन बदलावों का उद्देश्य परीक्षा प्रक्रिया को अधिक सहज, सुविधाजनक और छात्र-केंद्रित बनाना है, जबकि निष्पक्षता और सुरक्षा के उच्च मानकों को भी बनाए रखा जाएगा। एग्जाम होने तक पेपर सेटर्स को कड़े प्रतिबंध का पालन करना होगा। उन्हें 21 जून तक लॉकडाउन में रखा जाएगा ताकि पेपर लीक होने की आशंका न रहे। एग्जाम आयोजन के लिए देश भर के 551 शहर और विदेशों में 14 शहरों को चुना गया है। अधिकारियों के अनुसार एग्जाम से संबंधित सभी काम जैसे प्रश्नों की सेटिंग, ट्रांसलेशन, प्रिंटिंग, पैकेजिंग, स्टोरेज से लेकर ट्रांसपोर्टेशन और डिस्ट्रिब्यूशन की कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सरकार द्वारा क्रेश्चन पेपर से संबंधित सभी सामान ले जाने के लिए इंडियन एयरफोर्स एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल किया जाएगा।

'भारत इनोवेट्स' से वैश्विक मंच पर पहुंचेगा भारतीय नवाचार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को 'भारत इनोवेट्स' पहल के तहत दो रणनीतिक दस्तावेज जारी किए, जिनमें देश के उभरते स्टार्टअप और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह पहल नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उस लक्ष्य को आगे बढ़ाती है, जिसके तहत भारत को ज्ञान के उपभोक्ता देश से ज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी के सृजनकर्ता देश में बदलना है।इस अवसर पर भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद, उच्च शिक्षा सचिव डॉ. विनीत जोशी, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार, नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन के मिशन निदेशक दीपक बागला तथा शिक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि 'भारत इनोवेट्स' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नवाचार-आधारित विकसित भारत के विजन को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से भारतीय स्टार्टअप्स को तीन ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक परिसंपत्तियों का प्रबंधन करने वाली वैश्विक निवेश कंपनियों के साथ जुड़ने का अवसर मिलेगा।उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में 100 से अधिक वैश्विक निवेशक और प्रमुख संस्थान भाग लेने जा रहे हैं, जिससे भारत के डीप-टेक और नवाचार क्षेत्र में बढ़ते अंतरराष्ट्रीय विश्वास का पता चलता है। अब तक इस पहल के तहत लगभग दो करोड़ अमेरिकी डॉलर के निवेश संबंधी समझौते अंतिम चरण में पहुंच चुके हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बिट्स पिलानी तथा अन्य प्रमुख संस्थान अपने अनुसंधान और नवाचार परियोजनाओं का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि 'भारत इनोवेट्स' के माध्यम से भारतीय नवप्रवर्तकों को वैश्विक संस्थानों, उद्योग जगत और नवाचार नेटवर्क से जोड़ने के लिए संरचित मंच तैयार किया जा रहा है। इस क्रम में फ्रांस सहित अन्य देशों के साझेदारों के साथ 28 नवाचार-केंद्रित समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाने की योजना है। जारी दस्तावेजों में 'भारत इनोवेट्स स्टार्टअप कर्पेडियम' शामिल है, जिसमें देशभर से चुने गए 120 उच्च संभावनाओं वाले स्टार्टअप्स का विवरण दिया गया है। दूसरा दस्तावेज आईआईटी, आईआईएससी और अन्य प्रमुख संस्थानों की लगभग 50 अत्याधुनिक अनुसंधान एवं नवाचार परियोजनाओं को प्रस्तुत करता है। उल्लेखनीय है कि भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष के तहत शिक्षा मंत्रालय 14 से 16 जून तक फ्रांस में 'भारत इनोवेट्स 2026' का आयोजन कर रहा है। इसमें 3,000 से अधिक आवेदनों में से चुने गए 120 डीप-टेक स्टार्टअप भाग लेंगे। ये स्टार्टअप अंतरिक्ष, रक्षा, जैव-प्रौद्योगिकी और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में भारत की शोध एवं नवाचार क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में 15 प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थान भी हिस्सा लेंगे, जबकि चयनित स्टार्टअप्स के पास 1,500 से अधिक पेटेंट हैं और वे अब तक 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक निवेश जुटा चुके हैं।

अभिषेक बनर्जी से 6 घंटे तक सीआईडी की पूछताछ

कोलकाता,एजेसी। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के चयन से जुड़े कथित फर्जी हस्ताक्षर मामले में राज्य की सीआईडी ने गुरुवार को उनसे करीब छह घंटे तक पूछताछ की। जांच एजेंसी ने मामले से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर उनका पक्ष जानने की कोशिश की। अभिषेक बनर्जी निर्धारित समय के अनुसार शाम को सीआईडी मुख्यालय पहुंचे और देर रात तक अधिकारियों के सवालों का सामना किया। पूछताछ के बाद वह सीधे तृणमूल कांग्रेस प्रमुख डंडंज ठंदमतरमम से मुलाकात करने उनके आवास पहुंचे। जांच एजेंसी ने उन्हें 14 जून को फिर से पेश होने का निर्देश दिया है। सूत्रों के अनुसार, सीआईडी ने अभिषेक बनर्जी से मुख्य रूप से चार महत्वपूर्ण सवालों के जवाब मांगे। इनमें विधानसभा अध्यक्ष को भेजे गए प्रस्ताव की मूल प्रति, नेता प्रतिपक्ष के चयन के लिए हुई बैठकों में मौजूद नेताओं की जानकारी, कुछ विधायकों द्वारा हस्ताक्षर से इनकार करने का मुद्दा तथा अलग-अलग प्रारूप में किए गए हस्ताक्षरों को लेकर स्पष्टीकरण शामिल था। जांच एजेंसी यह जानना चाहती है कि संबंधित दस्तावेजों की तैयारी और अनुमोदन की प्रक्रिया में कौन-कौन लोग शामिल थे और कथित विसंगतियां कैसे सामने आईं। बताया जा रहा है कि इससे पहले जारी किए गए तीन समन पर अभिषेक बनर्जी पेश नहीं हुए थे। उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी कारणों और अदालत में दायर याचिका का हवाला दिया था। बाद में अदालत से अंतरिम राहत मिलने के बाद वह सीआईडी के समक्ष उपस्थित हुए। कलकत्ता हाईकोर्ट ने उन्हें फिलहाल किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया है। मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद निर्धारित की गई है। यह मामला तृणमूल कांग्रेस की एक बैठक से जुड़ा है, जिसमें विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के चयन को लेकर चर्चा हुई थी।

वैश्विक कृषि साझेदारी के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत बन सकता है भारत : शिवराज सिंह

इंदौर, एजेंसी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत हमेशा वैश्विक एकता, शांति और सहयोग का पक्षधर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का दृष्टिकोण ÷युद्ध नहीं शांति, संघर्ष नहीं समन्वय÷ पर आधारित है, जो वैश्विक कृषि साझेदारी के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत बन सकता है। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान शुक्रवार को मध्य प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी और स्वच्छता के प्रतीक इंदौर में शुरू हुए ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों के दो दिवसीय सम्मेलन के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने भारत की कृषि शक्ति, सांस्कृतिक मूल्यों और वैश्विक सहयोग की प्रतिबद्धता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ÷वसुधैव कुटुंबकम÷ की भावना को आगे बढ़ाते हुए इस मंत्र के साथ दुनिया को एक परिवार मानते हुए शांति, समन्वय और साझेदारी आधारित विकास पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री चौहान ने ÷अतिथि देवो भवः÷ की भारतीय परंपरा का उल्लेख करते हुए सभी प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत किया और कहा कि यह संवाद विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों के सामने मौजूद चुनौतियों- जैसे जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव और बाजार की अनिश्चितता का सामूहिक समाधान खोजने के लिए महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि छोटे किसान मजबूत होते हैं, तो दुनिया की खाद्य सुरक्षा स्वतः सुदृढ़ हो जाएगी। उन्होंने भारत की कृषि उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि पिछले एक दशक में कृषि क्षेत्र में लगभग 4.5 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। देश का कुल खाद्य उत्पादन बढ़कर लगभग 376 मिलियन टन तक पहुंच गया है। गेहूं उत्पादन 118 मिलियन टन के करीब पहुंचा, जबकि बागवानी उत्पादन 378 मिलियन टन से अधिक हो गया है। मछली उत्पादन भी बढ़कर 19 मिलियन टन से अधिक हो चुका है। उन्होंने बताया कि भारत विश्व का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम संचालित करता है, जिसके माध्यम से बड़ी आबादी को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है। उन्होंने किसानों के योगदान को सराहते हुए कहा कि यह उपलब्धियां उनके कठिन परिश्रम और सरकार की संवेदनशील नीतियों का परिणाम हैं। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि भारत में लगभग 43 प्रतिशत कार्यबल कृषि से जुड़ा है और यह क्षेत्र न केवल खाद्य सुरक्षा बल्कि करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चल रही योजनाओं-जैसे उन्नत बीज, सिंचाई, तकनीक और किसान सहायता कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए बताया कि इनसे किसानों को व्यापक लाभ मिला है। उन्होंने छोटे और सीमांत किसानों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत के लगभग 87 प्रतिशत किसान इस श्रेणी में आते हैं ।

एलन मस्क बने दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क अब सिर्फ एक अरबपति नहीं रहे, बल्कि उन्होंने संपत्ति के मामले में एक ऐसा मुकाम हासिल कर लिया है जो अब तक किसी भी व्यक्ति ने नहीं किया था। रॉकेट और सैटेलाइट कंपनी स्पेसएक्स के रिकॉर्ड 75 अरब डॉलर के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग के बाद मस्क दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बन गए हैं। मस्क की दौलत का एक बड़ा हिस्सा अब उनकी स्पेस कंपनी स्पेसएक्स से आ रहा है। गुरुवार को आए स्पेसएक्स के ऐतिहासिक आईपीओ ने शेयर बाजार से 75 अरब डॉलर जुटाए हैं, जिसने उनके बिजनेस पर निवेशकों के उत्साह को साबित किया है। रॉयटर्स की गणना के अनुसार, शुक्रवार को जब शेयरों की ट्रेडिंग शुरू हुई, तो टेस्ला और उनकी अन्य कंपनियों की हिस्सेदारी को मिलाकर मस्क की कुल संपत्ति 1.1 ट्रिलियन डॉलर (1.1 लाख करोड़ डॉलर) को पार कर गई। इसमें केवल स्पेसएक्स की ही लगभग 866 अरब डॉलर की हिस्सेदारी शामिल है। इस आईपीओ से पहले फोर्ब्स ने मस्क की संपत्ति करीब 780 अरब डॉलर आंकी थी, जो अल्फाबेट के सह-संस्थापक लैरी पेज जैसे अमीरों से बहुत आगे थी। फोर्ब्स वेल्थ के डिप्टी एडिटर मैट डुरोट के अनुसार, दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति की संपत्ति लगभग 300 अरब डॉलर के आसपास झूल रही है, जो मस्क की संभावित दौलत के एक-तिहाई से भी कम है।

गृहिणी राष्ट्रनिर्माता है तो हिंसा की शिकार क्यों?

-: ललित गर्ग:-
****

भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के दावे लंबे समय से किए जाते रहे हैं। उन्हें 'आधी आबादी' और विकास की समान भागीदार कहा जाता है। शिक्षा, रोजगार, राजनीति और नेतृत्व के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जाती हैं। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की प्रतिबद्धता जताई जाती है। सरकारें महिला सशक्तीकरण को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करती हैं और समाज भी महिलाओं की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करता है। लेकिन इन सबके बीच कुछ ऐसे तथ्य सामने आते हैं, जो हमें इस सशक्तीकरण के वास्तविक स्वरूप पर पुनर्विचार करने के लिए विवश करते हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें 'नेशन बिल्डर' अर्थात् राष्ट्रनिर्माता कहा। न्यायालय ने यह भी माना कि घरेलू कार्यों और परिवार की देखभाल में महिलाओं द्वारा किए जाने वाले श्रम का आर्थिक मूल्य है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण क्षेत्रों की प्रत्येक चौथी तथा शहरी क्षेत्रों की प्रत्येक छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती है। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है। सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय भारतीय समाज में महिलाओं के अवैतनिक श्रम को मान्यता देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सदियों से गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों को केवल कर्तव्य या प्रेम का विस्तार मान लिया गया। घर की सफाई, भोजन बनाना, बच्चों का पालन-पोषण, बुजुर्गों की सेवा, परिवार के स्वास्थ्य और संस्कारों की रक्षा, घरेलू प्रबंधन और सामाजिक संबंधों का निर्वहन-इन सभी कार्यों को महिलाओं का स्वाभाविक दायित्व माना गया। परिणामस्वरूप उनके श्रम को कभी आर्थिक दृष्टि से नहीं आंका गया। वास्तव में यदि किसी परिवार में गृहिणी द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यों के लिए अलग-अलग व्यक्तियों को नियुक्त किया जाए, तो उस पर भारी आर्थिक व्यय आएगा। इसके बावजूद गृहिणी के श्रम को न तो वेतन मिलता है और न ही सामाजिक मान्यता। वह चौबीस घंटे और वर्ष के तीन सौ पैंसठ दिन कार्यरत रहती है। उसका कोई अवकाश नहीं होता, कोई पदोन्नति नहीं होती और कोई सेवानिवृत्ति नहीं होती। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय का यह कहना कि गृहिणी केवल परिवार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान देती है, सामाजिक चेतना को नई दिशा देने वाला विचार है। न्यायालय ने मोटर दुर्घटना मुआवजा मामले में गृहिणी की सेवाओं का मूल्यांकन न्यूनतम 30 हजार रुपये प्रतिमाह के आधार पर करने की बात कही। यह केवल एक कानूनी निर्णय नहीं, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता को चुनौती है जो घरेलू श्रम को महत्वहीन समझती रही है। वास्तव में महिलाओं का यह अदृश्य श्रम देश की अर्थव्यवस्था की नींव है। यदि इस श्रम का आर्थिक मूल्यांकन किया जाए और उसे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शामिल किया जाए, तो भारत की अर्थव्यवस्था की तस्वीर काफी बदल सकती है। लेकिन इसी संदर्भ में दूसरा पक्ष और भी अधिक चिंता पैदा करता है। जिस महिला के योगदान को सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्र निर्माण का आधार मान रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सफल 12 वर्ष के रिकार्ड प्रधानमंत्री शासन की आयोजनाओं के अवसर पर महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं सम्मान की अधिकारी मान कर रहे हैं, क्या उसे वह सम्मान, सुरक्षा और गरिमा प्राप्त है जिसकी वह अधिकारी है? दुर्भाग्य से इसका उत्तर संतोषजनक नहीं है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा आज भी एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक चौथी महिला और शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक छठी महिला हिंसा का सामना करती है। 18 से 49 वर्ष आयु वर्ग की विवाहित महिलाओं में लगभग 22 प्रतिशत ने स्वीकार किया है कि उन्हें वैवाहिक जीवन में घरेलू हिंसा झेलनी पड़ी। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है। यह स्थिति तब है जब महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनेक कानून बनाए जा चुके हैं और महिला अधिकारों को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि यदि कानून मौजूद हैं, योजनाएं चल रही हैं और महिला सशक्तीकरण को राष्ट्रीय एजेंडा बनाया जा चुका है, तो फिर महिलाओं के खिलाफ हिंसा क्यों नहीं रुक रही? आखिर क्यों घर से लेकर कार्यस्थल तक महिलाएं स्वयं को पूर्णतः सुरक्षित महसूस नहीं कर पातीं? इसका उत्तर केवल कानूनी व्यवस्था में नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता में छिपा है। भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी पितृसत्तात्मक सोच से प्रभावित है। महिलाओं को परिवार की धुरी तो माना जाता है, लेकिन निर्णय लेने की स्वतंत्रता और समान अधिकार देने में संकोच किया जाता है। एक ओर उनके श्रम पर परिवार की पूरी व्यवस्था निर्भर रहती है, दूसरी ओर उनके योगदान को पर्याप्त सम्मान नहीं मिलता। यही मानसिकता कई बार घरेलू हिंसा, आर्थिक शोषण और सामाजिक भेदभाव का कारण बनती है। आज भी दहेज प्रथा समाज पर कलंक बनी हुई है। अनेक शिक्षित परिवारों में भी दहेज की मांग और उससे जुड़े अपराध सामने आते हैं। हाल के वर्षों में दहेज हत्या और उत्पीड़न के अनेक मामले राष्ट्रीय चर्चा का विषय बने हैं। यह विडंबना ही है कि एक लड़की की शिक्षा, पालन-पोषण और विवाह पर भारी व्यय करने वाले माता-पिता को विवाह के समय अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाने के लिए मजबूर किया जाता है। यह केवल सामाजिक कुरीति नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान पर सीधा आघात है। इसके अतिरिक्त कई क्षेत्रों में महिलाओं को डायन बताकर प्रताड़ित करने, यौन हिंसा, बाल विवाह, मानव तस्करी और लैंगिक भेदभाव जैसी समस्याएं भी मौजूद हैं। विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में अंधविश्वासों तथा सामाजिक पिछड़ेपन के कारण महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं अधिक दिखाई देती हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि आर्थिक विकास के बावजूद सामाजिक चेतना का विकास अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है। महिला सशक्तीकरण को केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व या आर्थिक अवसरों तक सीमित नहीं किया जा सकता। सशक्तीकरण का वास्तविक अर्थ है-सम्मान, सुरक्षा, समान अवसर और स्वतंत्र निर्णय क्षमता। यदि कोई महिला आर्थिक रूप से सक्षम है, लेकिन घर में हिंसा का शिकार है, तो उसे पूर्णतः सशक्त नहीं कहा जा सकता। इसी प्रकार यदि उसे राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल जाए, लेकिन सामाजिक सम्मान न मिले, तो भी सशक्तीकरण अधूरा रहेगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला सशक्तीकरण को बहुआयामी दृष्टि से देखा जाए। महिलाओं के घरेलू श्रम को मान्यता देने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। विद्यालयों और परिवारों में लैंगिक समानता के संस्कार विकसित किए जाएं। पुरुषों और लड़कों को भी इस परिवर्तन प्रक्रिया का भाग बनाया जाए। केवल महिलाओं को जागरूक करने से समस्या का समाधान नहीं होगा, समाज की सोच में परिवर्तन लाना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने, शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा कानूनी सहायता उपलध कराने की आवश्यकता है।

संम्पादकीय

हाईकोर्ट का सराहनीय फैसला

लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने के लिए मीडिया की स्वतंत्रता को कुचलने की कुटिल चालें लगातार सामने आ रही हैं। इसी क्रम में समाचार पोर्टल न्यूजक्लिक के संस्थापक और प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ पर आर्थिक अपराध शाखा और प्रवर्तन निदेशालय ने कार्रवाई की थी। जिस पर अब दिल्ली उच्च न्यायालय ने साफ कहा है कि यह कार्रवाई स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता के खिलाफ शक्तियों का दुरुपयोग है। विडंबना यह है कि सत्ता में बैठे लोग और समूची भाजपा, जो लगातार दावा कर रही है कि नरेन्द्र मोदी के बारह वर्षों के शासन में देश मजबूत हुआ है, उसने इस मामले में दो शब्दों का अफसोस भी जाहिर नहीं किया। क्या देश की मजबूती में लोकतंत्र का मजबूत होना शामिल नहीं है। क्या ऐसे बेबुनियाद मामलों से न केवल ईमानदारी से काम करने वालों को परेशान किया जाता है, बल्कि प्रेस की स्वतंत्रता पर भी आंच आती है। क्या भाजपा को यह स्थिति स्वीकार्य है। अगर है, तो फिर उसे खुलकर अपने इरादे अब बता देने चाहिए। क्योंकि लोकतंत्र के साथ लुका-छिपी का खतरनाक खेल पिछले 12 सालों से खेला ही जा रहा है। गौरतलब है कि प्रबीर पुरकायस्थ पर आरोप था कि उनकी कंपनी पीपीके न्यूज क्लिक स्टूडियो प्राईवेट लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2018-19 में अमेरिका की कंपनी वर्ल्डवाईड मीडिया होल्डिंग्स कंपनी से 9 करोड़ 59 लाख रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हासिल किया। ईओडब्ल्यू में दर्ज एफआईआर में कहा गया था कि ये एफडीआई कानून का उल्लंघन कर हासिल की गई। अगस्त 2020 में सूचना और प्रसारण मंत्रालय की शिकायत पर दर्ज एफआईआर में आरोप लगाया गया कि न्यूजक्लिक को एफडीआई नियमों से बचने के लिए शेयर के ज्यादा मूल्यांकन वाले ट्रांजेक्शन के जरिए वर्ल्डवाईड मीडिया होल्डिंग्स (डब्ल्यूडब्ल्यूएमएच) कंपनी से एफडीआई के तौर पर 9.59 करोड़ रुपये मिले थे। इस मामले में प्रबीर पुरकायस्थ और अमित चक्रवर्ती को दिल्ली पुलिस ने 3 अक्टूबर 2023 को गिरफ्तार किया था। दोनों को न्यूयॉर्क टाइम्स में छपी खबर के आधार पर गिरफ्तार किया गया था। इस रिपोर्ट में आरोप लगाए गए थे कि न्यूजक्लिक ने चीनी दुष्प्रचार फैलाने के लिए एक अमेरिकी अरबपति से फंडिंग ली है। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया और प्रबीर पुरकायस्थ, अभिसार शर्मा, औनिंद्यो चक्रवर्ती, भाषा सिंह, व्यंग्यकार संजय राजौरा, इतिहासकार सोहेल हाशमी आदि पर छापेमारी की गई। पुलिस ने छापेमारी के दौरान मोबाइल, लैपटॉप, कंप्यूटर समेत इलेक्ट्रॉनिक सामान भी जब्त किया था। तब आईटी सेल ने इन तमाम पत्रकारों को चीन के लिए काम करने के नाम पर खूब ट्रोल किया था। पत्रकारों की स्वतंत्र आवाज को दबाने के साथ-साथ उन्हें बदनाम करने के लिए कैसे हथकंडे इस्तेमाल होते हैं, यह उसी का एक उदाहरण था। इस गिरफ्तारी के छह महीने बाद ही सुप्रीम कोर्ट ने 15 मई, 2024 को प्रबीर पुरकायस्थ की गिरफ्तारी को अवैध करार देते हुए रिहा करने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस तथ्य पर गौर किया था कि प्रबीर पुरकायस्थ की हिरासत लेते वक्त उनके वकील को हिरासत की प्रति उपलब्ध नहीं कराई गई। सुप्रीम कोर्ट ने तब यह भी कहा था कि प्रबीर पुरकायस्थ को गिरफ्तार करते वक्त गिरफ्तारी की लिखित वजह भी नहीं बताई गई।

कई लड़ाइयों में लड़ने वाली ममता बनर्जी क्या बागियों से हार गई?

टी एन अशोक
****

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), जिसे कभी भारत की सबसे मजबूत क्षेत्रीय राजनीतिक मशीन माना जाता था, अपने 28 साल के इतिहास में सबसे बड़े संकट का सामना कर रही है। 2026 के पश्चिम बंगाल विधान सभा चुनावों में पार्टी की जबरदस्त हार के बाद पार्टी के अन्दर जो नाराजगी की आवाजों के तौर पर शुरू हुई थी, वह तेजी से पश्चिम बंगाल विधान सभा से लेकर नई दिल्ली में संसद के गलियारों तक फैली एक बड़ी अंदरूनी बगावत में बदल गई है। इस तूफान के केंद्र में एक साथ दो बगावतें हैंकृएक कोलकाता में पार्टी से निकाले गए विधायक ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में और दूसरी दिल्ली में पुरानी सांसद काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में। ये सब मिलकर ममता बनर्जी की लगभग तीन दशकों में मेहनत से बनाई गई राजनीतिक इमारत को गिराने का खतरा पैदा कर रहे हैं। चुनाव के नतीजों ने ममता बनर्जी की अजेय होने की छवि को तोड़ दिया और उन छिपे हुए तनावों को सामने ला दिया जो तब तक छिपे रहे जब तक पार्टी ने राज्य की प्रशासनिक मशीनरी को नियंत्रित किया। कुछ ही दिनों में, जो विधायक ममता के भतीजे और राजनीतिक वारिस अभिषेक बनर्जी के आस-पास सत्ता के जमावड़े के बारे में चुपचाप शिकायत कर रहे थे, उन्हें मौजूदा व्यवस्था को चुनौती देने का मौका मिल गया। पहला धमाका कोलकाता में हुआ। फिर विधान सभा में बगावत हुई। ऋतब्रत बनर्जी, जो पहले से ही पार्टी नेतृत्व से अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना कर रहे थे, नाराज विधायकों के लिए एक अप्रत्याशित केन्द्र बनकर उभरे। एक नाटकीय घटनाक्रम में टीएमसी के 80 में से 58 विधायकों ने बंगाल विधान सभा में विपक्ष के नेता के तौर पर उनके समर्थन में एक पत्र पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद विधान सभा अध्यक्ष ने बागी खेमे को मान्यता दे दी, जिससे ममता बनर्जी के वफादारों से विपक्ष की बेंचों का नियंत्रण हस्तांतरित हो गया। हालांकि बागी विधायकों ने पार्टी के सर्वोच्च नेता के तौर पर ममता बनर्जी के लिए अपने लगातार सम्मान का ऐलान किया, लेकिन उन्होंने अभिषेक बनर्जी के अधिकार को खुले तौर पर खारिज कर दिया। उनका संदेश साफ थारू बगावत ममता के खिलाफ कम और उत्तराधिकार की उस योजना के खिलाफ ज्यादा थी जो आखिरकार पार्टी को उनके भतीजे के हाथों में सौंप देती। अगर विधान सभा में बगावत से टीएमसी मुख्यालय हिल गया, तो संसद की घटनाओं से देश भर में राजनीतिक भूचाल आने का खतरा था। बगावत भारत की राजधानी तक पहुंच चुकी थी। बगावत को काकोली घोष दस्तीदार के रूप में एक नया चेहरा मिला। काकोली ने दावा किया कि 20 टीएमसी सांसदों ने आधिकारिक तौर पर भाजपा के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) को समर्थन देने की अपनी इच्छा बताई थी। इस संख्या का चयन यूं ही नहीं था। दलबदल विरोधी कानून के तहत अलग गुट बनाने के लिए दो-तिहाई सदस्यों की आवश्यकता थी। इस दावे ने विपक्षी खेमे में झटके की लहर भेज दी। समय भी नाटकीय था। ममता बनर्जी ने दिल्ली में विपक्ष की एकता दिखाने के लिए इंडिया ब्लॉक की बैठक में हिस्सा लिया, वहीं नाराज सांसदों ने कथित तौर पर भाजपा के वरीय नेताओं और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ चर्चा की। वफादारों ने तुरंत पलटवार किया। साफ आवाज थी कि पहले इस्तीफा दो और फिर भाजपा में शामिल होने के बारे में सोचो। कीर्ति आजाद ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को भेजे गए कथित पत्र के बारे में पारदर्शिता की मांग की। उन्होंने तर्क दिया कि अगर 20 सांसदों ने सच में एक अलग संसदीय समूह के समर्थन में किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए थे, तो उन हस्ताक्षरों को सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया? वफादारों का कहना था कि बागी नेता भाजपा के संरक्षण में काम करते हुए अपनी संख्या बढ़ा-चढ़ाकर दिखा रहे थे। टीएमसी नेतृत्व के लिए, यह बगावत सिर्फ एक अंदरूनी झगड़ा नहीं है। यह एक बड़ी राजनीतिक साजिश का हिस्सा है, जिसे कथित तौर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह चला रहे हैं। पार्टी महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और दूसरे राज्यों का उदाहरण देती है, जहां भाजपा के दबाव में विपक्षी पार्टियों में बड़ी टूट हुई थी। वफादारों के अनुसार, ईडी, सीबीआई, और आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों ने ऐसा माहौल बना दिया है जिसमें कमजोर स्थिति वाले नेताओं को पाला बदलने के लिए उकसाया और विवश किया जाता है। भाजपा इन आरोपों को खारिज करती है। उसके नेताओं का तर्क है कि यह बगावत टीएमसी के अंदर फैली व्यापक नाराजगी और चुनावी हार के बाद अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व को प्रक्षेपित करने की विफलता को दिखाती है। रोजाना के इस नाटक के पीछे एक गहरी लड़ाई छिपी है। यह उत्तराधिकार का सवाल है। इसलिए बागियों ने एक सोच-समझकर तय किया गया रुख अपनाया है रू ममता का सम्मान करो, अभिषेक को नकारो। यह फर्क राजनीतिक रूप से अहम है क्योंकि ममता बनर्जी अभी भी बहुत लोकप्रिय हैं। टीएमसी के बड़े हिस्से में, उनके नेतृत्व पर सीधे हमले से जमीनी स्तर के कार्यकर्ता दूर हो सकते हैं। बगावत का भविष्य संख्या बल पर निर्भर करता है। तो, आगे क्या होगा?

अगर काकोली घोष दस्तीदार संसदीय दल के कम से कम दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन दिखा पाती हैं, तो दल-बदल विरोधी कानूनों के तहत इस बंटवारे को कानूनी मान्यता मिल सकती है। अगर संख्या कम पड़ती है, तो बागी सांसदों के अयोग्य घोषित होने और राजनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ने का खतरा हो सकता है। ममता बनर्जी के लिए यह अस्तित्व की लड़ाई है। अपने पूरे राजनीतिक जीवन में उन्होंने कांग्रेस को हराया, वाम मोर्चे के दबदबे को खत्म किया और बार-बार भाजपा के आगे बढ़ने की कोशिशों को रोका। लेकिन आज, उन्हें किसी बाहरी प्रतिद्वंद्वी से भी ज्यादा खतरनाक दुश्मन बागियों का सामना करना पड़ रहा है।

कीर्ति आजाद ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को भेजे गए कथित पत्र के बारे में पारदर्शिता की मांग की। उन्होंने तर्क दिया कि अगर 20 सांसदों ने सच में एक अलग संसदीय समूह के समर्थन में किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए थे, तो उन हस्ताक्षरों को सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया? वफादारों का कहना था कि बागी नेता भाजपा के संरक्षण में काम करते हुए अपनी संख्या बढ़ा–चढ़ाकर दिखा रहे थे। टीएमसी नेतृत्व के लिए, यह बगावत सिर्फएक अंदरूनी झगड़ा नहीं है। यह एक बड़ी राजनीतिक साजिश का हिस्सा है, जिसे कथित तौर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह चला रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष: निकट संबंधों में शंकाओं को हावी न होने दें। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। सगे-संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।	मिथुन: संबंधों में कटु वचनों का प्रयोग न करें। माता के स्वास्थ के प्रति सचेत रहें। अच्छे कायरे द्वारा प्रशंसा के पात्र बनेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा।
वृषभ: आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं। अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी।	कर्क: बीती बातों को भूलने की कोशि करें। रोजगार में कुछ अच्छे अवसर मिलेंगे। भौतिक इच्छाएं बलवती होंगी। अभिभावकों के भावनात्मक सहयोग से उत्साह में वृद्धि होगी।
सिंह: नकारात्मक चिंताओं का त्याग करें। महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। वर्तमान में आपको सकारात्मक सोच के साथ सकारात्मक दिशा में प्रयास करना चाहिए।	तुला: महत्वाकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरें में अत्याधिक व्यय का योग है। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार में सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी।
कन्या: किसी नये कार्य की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण फैसले के लिए मन केंद्रित होगा। नवीन योजनाओं द्वारा प्रगति होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।	वृश्चिक: परिश्रम का समुचित लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।
धनु: मन सुंदर कल्पनाओं से प्रभावित रहेगा। नये संबंधों के प्रति निकटता बढ़ेगी। उपस्थित साधनों में सन्तुष्ट व तृप्त होने का प्रयत्न करें। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।	कुंभ: राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। अच्छे कायरे के लिए प्रशंसनीय होंगे। शासन-सत्ता से लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा।
मकर: विभागीय परिवर्तनों से कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने अन्दर धैर्य व वाणी में मधुरता लावें। कुछ नई अभिलाषाएं मन में जागृत होंगी। प्रियजनों का सनिध्य प्राप्त होगा।	मीन: आवेश में किये गये कार्य से कष्ट संभव। भावनात्मक समस्याओं पर सगे-संबंधियों के बीच खुलकर बात करें। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे।

नीले धुएं की धरती : ग्रेट स्मोकी माउंटेन्स

अरुण कुमार डनायक
****

अमेरिका का सबसे अधिक देखा जाने वाला ग्रेट स्मोकी माउंटेन्स राष्ट्रीय उद्यान अपालाचियन पर्वतमाला में धुंध से ढंकी घाटियों, हरित वनों और नीले पर्वतों का अद्भुत संसार रचता है। वृक्षों से उठने वाले प्राकृतिक वाष्प और आर्द्रता के कारण पर्वतों पर छाई नीली धुंध इन्हें श्स्मोकीश् रूप देती है, मानो धरती ने अपना कोई स्वप्नलोक रच लिया हो। टेनेसी और नॉर्थ कैरोलिना की सीमाओं पर फैला यह श्राष्ट्रीय उद्यानश् दोनों प्रांतों का हरित फेफड़ा है, जो प्रकृति, जैव-विविधता और इतिहास को जीवन प्रदान करता है। कभी श्चेरोकीश् जनजाति का निवास रहा यह विशाल वन-प्रदेश अनेक पुष्पीय पौधों, वृक्ष प्रजातियों, पशु और पक्षियों का आश्रय है, जिसकी जैविक समृद्धि अत्यंत विलक्षण है। विगत सदी में औद्योगीकरण और अंधाधुंध कटाई से यह क्षेत्र गंभीर संकट में पड़ गया था। तब प्रकृति-प्रेमियों और स्थानीय समुदायों के प्रयासों से अमेरिकी कांग्रेस ने कानून बनाकर 15 जून 1934 को श्ग्रेट स्मोकी माउंटेन्स नेशनल पार्कश् की स्थापना की, जिसने इस पर्वतीय धरा को विनाश से बचा लिया। आज पार्क के श्आगंतुक केंद्रश् पर्यावरण और पारिस्थितिकी का प्रशिक्षण देकर संरक्षण के लक्ष्य को साकार कर रहे हैं। इन पर्वतों की पहचान इनके अद्भुत, बहुस्तरीय प्राचीन वनों से है। यहां केवल विशाल वृक्ष ही नहीं, बल्कि उनके बीच फैली लताएं, झाड़ियां और भूमि-आवरण भी एक जीवित पारिस्थितिक संसार का निर्माण करते हैं। लिटिल रिवर, ओकोनालुफ्टी नदी और डीप क्रीक जैसी जलधाराएं तथा अनेक जलप्रपात इन वनों को निरंतर आर्द्रता और जीवन प्रदान करते हैं। वन पथ पर चलते हुए प्रतीत होता है कि प्रकृति ने हरियाली को कई स्तरों पर सजाया है। ये पर्वत केवल वन नहीं, बल्कि ऊंचाइयों के साथ बदलती वनस्पतियों का जीवित संसार हैं। ऊंचे क्षेत्रों में लाल-स्प्रूस और फ्रेजर-फर के सदाबहार वृक्ष धुंध के बीच गहरे हरे प्रहरी जैसे दिखाई देते हैं। मध्यम ऊंचाइयों पर लाल-मेपल अपनी विशिष्ट पत्तियों के साथ आकर्षित करता है। अमेरिकी-बीच अपनी चिकनी धूसर छाल से आसानी से पहचाना जाता है। घाटियों और नदी तटों पर पीले हरे पुष्पों वाला ऊंचा, सीधा ट्यूलिप-पॉपलर, देवदार सा आभास देने वाला ईस्टर्न-हेमलॉक और पत्तियों के निचले भाग पर चांदी सी चमक लिए सफेद-ओक शीतल छाया बिखेरते हैं। वाइल्ड-ग्रेपवाइन जैसी जंगली लताएं वृक्षों पर चढ़कर जंगलों को रहस्यमयी हरित रूप देती हैं, और कई स्थानों पर पुराने वृक्षों को पूरी तरह ढंक लेती हैं। सघन वनों में कई बार दो वृक्ष वर्षों तक रगड़ खाते-खाते आपस में जुड़ जाते हैं। इनोस्कुलेशन कहलाने वाली इस प्रक्रिया में दोनों तने एक हो जाते हैं। स्मोकी पर्वतों में यह दृश्य सामान्य है और प्रकृति के सह अस्तित्व का सुंदर प्रतीक है। वसंत में ग्रेट स्मोकी माउंटेन्स का जल-जगत भी रंगों और जीवन से भर उठता है। यहां की मछलियां प्रजनन काल में रंग बदल कर साथी को आकर्षित करती हैं या नदी की तलहटी में कंकड़ों से घोंसले बनाती हैं। इस प्रकार वसंत वनस्पतियों के साथ जल के भीतर भी नवजीवन और पुनर्सृजन की ऋतु बनकर उतरता है। वसंत आते ही यह प्रदेश पुष्पों का जीवित उत्सव बन उठता है। डॉगवुड, माउंटेन-लॉरेल, सर्विसबेरी और रोडोडेंड्रॉन के फूल धुंध और वर्षा से भीगे वनों को रंगों और सुगंध से भर देते हैं। प्रतीत होता है जैसे प्रकृति ने स्वयं इन पर्वतों पर रंगत बिखेर दी हो। इस समूचे पारिस्थितिकी-तंत्र की आधारशिला मधुमक्खियां हैं, जिनके परागण से फल, बीज और जीवन की पूरी श्रृंखला चलती रहती है। मधुमक्खियों का शहद काले भालुओं के सबसे प्रिय आकर्षणों में से एक है। इस पर्वतमाला का वास्तविक सौंदर्य पतझड़ में प्रकट होता है। सितंबर के अंत से नवंबर तक शरद ऋतु में यह पर्वतमाला लाल, सुनहरे, ताम्र और नारंगी रंगों की अद्भुत चित्रावली बन जाती है। लाल-मेपल की रक्तिम पत्तियां, शुगर-मेपल के सुनहरे-नारंगी स्वर तथा बीच और बर्च के तीव्र रंग परिवर्तन पूरे परिदृश्य को जीवंत बना देते हैं, जबकि सदाबहार चीड़ और फर का गहरा हरा रंग इनके बीच सुंदर विरोधाभास रचता है। ऊंचाई और तापमान के अंतर के कारण पत्तियां अलग-अलग समय पर रंग बदलती हैंकृऊंचे क्षेत्रों में यह प्रक्रिया पहले शुरू होकर धीरे-धीरे घाटियों तक उतरती है, जिससे लगभग डेढ़ महीने तक यह प्राकृतिक रंगोत्सव बना रहता है। इस राष्ट्रीय उद्यान का प्रमुख वन्यजीवन पूरे पार्क में पाए जाने वाले काले भालू हैं। शक्ति के प्रतीक ये बुद्धिमान और अनुकूलनशील स्तनधारी जीव फुर्ती से पेड़ों पर चढ़ते और जंगलों में शांतिपूर्वक विचरण करते हैं। सुबह की धुंध में चरते एल्क इस पर्वतीय क्षेत्र के विशाल शाकाहारी जीव हैं, जिनके बड़े सींग उन्हें राजसी आभा देते हैं। कभी विलुप्ति के कगार पर पहुंचे इन जीवों का पुनर्वास पर्यावरण संरक्षण की महत्वपूर्ण सफलता है। केड्स-कोव जैसी घाटियों में आज भी पुराने लकड़ी के घर, लोकसंगीत, हस्तनिर्मित काष्ठ-शिल्प और ग्रामीण जीवन की झलक सुरक्षित है। ये इस बात के प्रमाण हैं कि कभी मनुष्य प्रकृति के साथ सीमित संसाधनों में भी संतुलित जीवन जीता था। श्स्मोकी पर्वतोंश् की यात्रा में प्रकृति के साथ भोजन का आनंद भी घुला रहता हैकृस्मोक्ड पोर्क बारबेक्यू, बेक्ड बीन्स, स्थानीय ब्रूअरी-वाइनरी और ताजी आइसक्रीम इस पर्वतीय अनुभव को स्वाद का उत्सव बना देते हैं। ग्रेट स्मोकी माउंटेन्स के मनोहारी विस्तार से गुजरने वाला श्ब्लू-रिज पार्कवेश् स्थानीय पर्यटन और साहसिक गतिविधियों को गति देने के साथ अद्भुत दृश्य भी प्रदान करता है। यह सड़क अमेरिका के आर्थिक इतिहास का प्रतीक हैकृ1935 में श्वैश्विक मंदीश् के दौर में शुरू हुई इस परियोजना ने हजारों लोगों को रोजगार दिया और कठिन पर्वतीय भू भाग में प्राकृतिक सौंदर्य को संरक्षित रखते हुए 52 वर्षों में पूर्ण हुई। जब स्मोकी पर्वतों की धुंध से ढंकी घाटियों पर दृष्टि जाती है, तो अनायास भारत का मेघालय स्मरण हो उठता है, जहां बादल धरती की गोद में उतर आते हैं। इसी अनुभूति में नीलगिरि की नीलिमा और यूकेलिप्टस की सुगंध भी श्स्मोकीश् पर्वतों की ब्लू स्मोक धुंध से एक अद्भुत साम्य रचती प्रतीत होती हैं। इसी प्रकृति-रस में डूबा मन भवानी प्रसाद मिश्र की अमर पंक्तियां भी धीरे-धीरे गुनगुनाने लगता हैकृश्सतपुड़ा के घने जंगल, नींद में डूबे हुए से उंघते अनमने जंगल।

ट्रंप ने ईरान पर प्रस्तावित हमले रोके, समझौते के करीब पहुंचने का दावा

वॉशिंगटन। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि ईरान के खिलाफ प्रस्तावित सैन्य हमलों और बमबारी को फिलहाल रोक दिया गया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ वार्ता महत्वपूर्ण स्तर तक पहुंच चुकी है और समझौते के कई प्रमुख बिंदुओं पर सहमति बनने की दिशा में प्रगति हुई है।

सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर जारी अपने संदेश में ट्रंप ने कहा कि ईरान के शीर्ष नेतृत्व के साथ हुई चर्चाओं के बाद उन्होंने नियोजित सैन्य कार्रवाई रद्द करने का निर्णय लिया। उनके अनुसार, समझौते की रूपरेखा और उससे जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर संबंधित पक्षों के बीच विस्तृत चर्चा हो चुकी है।ट्रंप ने कहा कि इस प्रक्रिया में अमेरिका के अलावा इजराइल, सउदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, तुर्किये, पाकिस्तान, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन और मिश्र सहित कई देशों की भूमिका रही है।हालांकि ट्रंप ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में लागू नौसैनिक नाकाबंदी फिलहाल जारी रहेगी और अंतिम समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर होने तक इसमें कोई ढील नहीं दी जाएगी। उन्होंने संकेत दिया कि समझौते से जुड़ी अगली घोषणाएं जल्द की जा सकती हैं।इस बीच, अमेरिकी सैन्य कमान अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर महत्वपूर्ण दावा किया है। सेंटकॉम के अनुसार, होर्मुज जलडमरुमध्य अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों के लिए खुला है और वहां सुरक्षित समुद्री मार्ग उपलब्ध हैं।सेंटकॉम ने कहा कि जो जहाज ईरान से जुड़े अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन नहीं कर रहे हैं, वे सामान्य रूप से इस मार्ग का उपयोग कर सकते हैं। अमेरिकी पक्ष का दावा है कि पिछले दो महीनों के दौरान सैकड़ों वाणिज्यिक जहाज सुरक्षित रूप से होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरे हैं।

हाजो में ड्रग्स के खिलाफ पुलिस का बड़ा अभियान, तीन गिरफ्तार

कामरूप (असम),। असम में नशीले पदार्थों के खिलाफ जारी अभियान के तहत हाजो और कामरूप पुलिस ने हाजो के शिमलुतला क्षेत्र में बड़े पैमाने पर संयुक्त अभियान चलाया। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि यह अभियान डीएसपी दीपक शर्मा के नेतृत्व में संचालित किया गया।पुलिस ने विशेष सूचना के आधार पर स्निफर डॉग की सहायता से तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान भारी मात्रा में हेरोइन और गांजा बरामद किया गया। इसके साथ ही मौके से बड़ी मात्रा में नकद धनराशि भी जब्त की गई, जिसे नशीले पदार्थों के कारोबार से जुड़ा माना जा रहा है।मामले में संलिप्त तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ की जा रही है तथा इस अवैध नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान के लिए जांच जारी है।

संक्षिप्त समाचार

त्रिपुरा में आत्मसमर्पण कर चुके उग्रवादी संगठनों के सदस्यों ने शुरू किया 72 घंटे का विरोध प्रदर्शन

अगरतला । त्रिपुरा में प्रतिबंधित उग्रवादी समूहों एटीटीएफ और एनएलएफटी छोड़कर मुख्य धारा में लौटे लोगों ने 72 घंटे का सड़क और रेल जाम शुरू किया है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि केंद्र सरकार के साथ दो साल से भी पहले हुए समझौते के तहत पुनर्वास के वादे पूरे नहीं किए गए हैं। वे आजीविका में मदद और आर्थिक सहायता समेत लंबित लाभों को लागू करने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार सुबह एक नेशनल हाईवे जाम कर दिया। इसके अलावा, ट्रेनों की रफ्तार भी रोक दी। अलग-अलग जगहों पर प्रदर्शनकारियों ने रेलवे पटरियों पर बैठकर विरोध जताया। एनएलएफटी सदस्य थॉमस उचॉय ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'विरोध-प्रदर्शन के बारे में हमने असल में लगभग 7 दिन पहले ही सूचना दे दी थी। गुरुवार हमारे विकास मंत्री के साथ बातचीत हुई, लेकिन उससे हम पूरी तरह संतुष्ट नहीं हुए। हम इसे मानने को तैयार नहीं हैं। यह विरोध प्रदर्शन तब शुरू हुए हैं, जब आत्मसमर्पण करने वाले लोगों के प्रतिनिधियों और राज्य सरकार के बीच बातचीत के दो दौर भी गतिरोध को खत्म करने में नाकाम रहे। गुरुवार को सिविल सचिवालय में एक अहम बैठक हुई। इस बैठक में राज्य मंत्री विकास देबबर्मा और आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादी गुटों के प्रतिनिधि शामिल हुए, ताकि अहम लंबित मुद्दों पर चर्चा की जा सके। हालांकि, वह असफल रही। प्रदर्शनकारी पुनर्वास पैकेज के तहत किए गए वादों को पूरा करने की मांग कर रहे हैं, जिनमें पुनर्वास के रुके हुए उपाय, आजीविका के अवसर, आर्थिक मदद और अन्य लाभ शामिल हैं। सरकार से बातचीत न बनने की स्थिति में आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों के एक गुट ने 12 जून को सड़क जाम करने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि 12 जून को सड़क जाम करने समेत प्रस्तावित आंदोलन का ऐलान उनकी उन मांगों को मनवाने के लिए किया गया, जो लंबे समय से लंबित हैं और जिन पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

असम में जनगणना 2027 के लिए मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

गुवाहाटी, । असम में जनगणना 2027 के प्रथम चरण हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन (एचएलओ) के लिए आयोजित चार दिवसीय आवासीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। भारतीय उद्यमिता संस्थान (आईआईई), गुवाहाटी में आयोजित इस प्रशिक्षण में विभिन्न जिलों एवं जनगणना निदेशालय के कुल 59 मास्टर ट्रेनर्स ने भाग लिया।प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स अब राज्यभर में 1,109 फील्ड ट्रेनर्स को प्रशिक्षण देंगे, जो आगे 83,535 गणनाकारों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे। कार्यक्रम में जनगणना की अवधारणाओं, फील्ड प्रक्रियाओं, पर्यवेक्षण व्यवस्था तथा हाउस लिस्टिंग एवं हाउसिंग जनगणना से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया गया।समापन समारोह में जनगणना निदेशक एवं मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी विश्वजीत पेगू ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उच्च गुणवत्ता एवं एकरूप प्रशिक्षण सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

जीटीबी अस्पताल में नौकरी दिलाने के नाम पर 23 युवाओं से ठगी, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली,। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने पूर्वी दिल्ली के गुरु तेगबहादुर (जीटीबी) अस्पताल में अनुबंध पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर 23 से ज्यादा बेरोजगार युवाओं से ठगी करने वाली आरोपित मनीष कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपित बेरोजगार युवकों से लगभग साढ़े पांच लाख रुपये की धोखाधड़ी कर चुका है। आरोपित मनीष कुमार को नौ जून को शाहदरा के जीटीबी एन्क्लेव से गिरफ्तार किया गया है। वह बार-बार स्थान बदल कर पुलिस को चकमा दे रहा था।ईओडब्ल्यू के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त रवि कुमार सिंह ने बताया कि नर्सिंग में बीएससी डिग्री धारक मनीष को जुआ खेलने की आदत थी। इस कारण उस पर कर्ज हो गया। उन देनदारियों को चुकाने के लिए उसने बेरोजगार युवाओं को निशाना बनाते हुए उन्हें नौकरी दिलाने के नाम पर ठगना शुरू किया। उन्होंने बताया कि मामला कृष्ण पाल और 22 अन्य पीड़ितों की शिकायत पर दर्ज किया गया था। उनका आरोप था कि मनीष ने उन्हें अनुबंध के आधार पर जीटीबी अस्पताल में 'डेटा एंट्री ऑपरेटर' और नर्सिंग सहायक के पद पर नौकरी देने का झांसा दिया था। साथ ही मासिक वेतन लगभग 21,000 रुपये बताया था।अतिरिक्त पुलिस आयुक्त सिंह ने कहा कि आरोपित ने पीड़ितों का विश्वास हासिल करने के लिए दावा किया कि उसके पिता जीटीबी अस्पताल में एक वरिष्ठ पद पर हैं और उनके अस्पताल प्रशासन के भीतर मजबूत संबंध हैं। उनके पिता अस्पताल में नियुक्तियां कर सकते हैं। उसकी बातों पर भरोसा करके पीड़ितों ने उसे अपने शैक्षणिक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य निजी दस्तावेज सौंप दिए। इसके बाद भर्ती प्रक्रिया के लिए सुरक्षा जमा के तौर पर उसने हर पीड़ित से 20,000 से 25,000 रुपये ले लिए। पुलिस ने बताया कि आरोपित पीड़ितों को भरोसा दिलाता रहा कि भर्ती प्रक्रिया चल रही है और बाद में उसने दावा किया कि नौकरियों पर कुछ समय के लिए रोक लगा दी गई है। उसने वादा किया था कि 45 दिनों के अंदर नियुक्ति पत्र जारी कर दिए जाएंगे।अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने बताया कि जीटीबी अस्पताल के अधिकारियों ने पुलिस से पुष्टि की कि उस समय नर्सिंग सहायक या 'डेटा एंट्री ऑपरेटर' के पदों के लिए कोई भर्ती प्रक्रिया नहीं चल रही थी। अस्पताल प्रशासन ने यह भी कहा

ब्रेक फेल होने के बाद 200 फीट गहरी खाई के किनारे दौड़ती रही बस, ड्राइवर की सूझबूझ से बची 50 यात्रियों की जान

उदयपुर। उदयपुर के झाड़ोल इलाके में शुक्रवार सुबह एक बड़ा बस हादसा होते-होते टल गया। नेशनल हाईवे 58 श्च पर खेरिया घाटा (घाटी) के पास 50 से अधिक यात्रियों से भरी एक बस के अचानक ब्रेक फेल हो गए। ब्रेक फेल होने के बाद अनियंत्रित हुई बस करीब दो मिनट तक 150 से 200 फीट गहरी खाई के बिल्कुल किनारे-किनारे दौड़ती रही। बस में सवार यात्रियों की सांसें अटक गई और चीख-पुकार मच गई, लेकिन ड्राइवर ने हिम्मत नहीं हारी और सूझबूझ दिखाते हुए बस को पहाड़ी की तरफ पत्थरों से टकराकर रोक दिया। हरिद्वार यात्रा पर जा रहे थे सभी ग्रामीण यह हादसा शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे हुआ। बस में झाड़ोल के गोराणा, देवास और आसपास के गांवों के ग्रामीण सवार थे, जो उदयपुर होते हुए हरिद्वार धार्मिक यात्रा पर जा रहे थे। गांव से रवाना होने के कुछ ही देर बाद यह भयानक मोड़ आ गया। 25 से अधिक यात्री घायलः इस दुर्घटना में 25 से ज्यादा यात्रियों को चोटें आई हैं। 5 गंभीर घायलः हादसे में 5 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें तुरंत उदयपुर के महाराणा भूपाल (एमबी) हॉस्पिटल रेफर किया गया है। पुलिस की कार्रवाईः सूचना मिलते ही नाई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया।प्रत्यक्षदर्शी की जुबानीः '2 मिनट तक अटकी रहीं सांसे बस में सवार यात्री मदन मेहता ने बताया कि वे सुबह 10 बजे गांव से निकले थे। कुछ ही दूरी पर अचानक बस बेकाबू हो गई। करीब एक से डेढ़ मिनट तक बस गहरी खाई के मुहाने पर चलती रही। सभी लोग डर के मारे भगवान को याद करने लगे थे। अगर ड्राइवर ने सूझबूझ से बस को सड़क के दूसरी तरफ पत्थरों से नहीं टकराया होता, तो बस सीधे 200 फीट नीचे खाई में गिर जाती।

अधूरे हाईवे के कारण बढ़ रहे हादसेः स्थानीय ग्रामीणों ने इस हादसे के बाद प्रशासन के खिलाफ रोष जताया है। लोगों का कहना है कि नेशनल हाईवे पर रणघाटी और खेरिया घाटा का निर्माण कार्य लंबे समय से अधूरा पड़ा है। हाईवे सिंगल होने के कारण इस घुमावदार घाटी में आए दिन गाड़ियां दुर्घटनाग्रस्त हो रही हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि किसी बड़े हादसे से पहले इस अधूरे काम को जल्द से जल्द पूरा किया जाए।

एक ही परिवार के तीन लोगों को नौकरी, कई के दस्तावेज पर भी सवाल; कुलपति तक पहुंची छह पेज की शिकायत

वाराणसी, एजेंसी। आईएमएस-बीएचयू में हाल ही में आउटसोर्सिंग के माध्यम से 22 पदों पर हुई नियुक्तियों पर सवाल उठने लगे हैं। भर्ती प्रक्रिया को लेकर कुलपति को भेजी गई छह पेज की शिकायत में कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के अनुसार एक ही परिवार के तीन सदस्यों (एक भाई और दो बहनों) को नौकरी दी गई है। इसके अलावा तकनीकी कौशल से जुड़े कई पदों पर न्यूनतम योग्यता हाईस्कूल होने के बावजूद फेल अथवा ग्रेस अंक के आधार पर उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के चयन का भी आरोप लगाया गया है। शिकायत में चयनित अभ्यर्थियों के शैक्षणिक प्रमाणपत्रों की वैधता पर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की स्वतंत्र एजेंसी से उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। आईएमएस-बीएचयू में आउटसोर्सिंग मद से कंप्यूटर स्किल्ड वर्कर, कंप्यूटर प्रोफेशनल, एसी मैकेनिकल, बॉडी लिफ्टर, ऑडियोमेट्री एवं स्पीच थेरेपी, ओटी टेक्नीशियन सहित 22 पदों पर नियुक्तियां की गई हैं। गोरखपुर निवासी प्रदीप ने ईमेल के माध्यम से कुलपति को शिकायत भेजी है और उसकी प्रति भी संबंधित अधिकारियों को प्रेषित की है। शिकायत के अनुसार एक ही परिवार के एक बेटे को कंप्यूटर स्किल्ड वर्कर (कुशल) पद पर नियुक्त किया गया है, जबकि उसकी दो बहनों को कंप्यूटर प्रोफेशनल (कुशल) पद पर तैनाती दी गई है। इसके अलावा बॉडी लिफ्टर पद, जिसकी न्यूनतम योग्यता हाईस्कूल निर्धारित है, पर एक फेल अभ्यर्थी के चयन का आरोप लगाया गया है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि तीन अभ्यर्थियों का चयन ग्रेस अंक के आधार पर हाईस्कूल उत्तीर्ण होने के बावजूद किया गया है। वर्जनगलत नियुक्तियों के आरोप पूरी तरह निराधार हैं। अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का गहन सत्यापन कराया जाता है। आउटसोर्सिंग पदों पर हुई नियुक्तियों की पूरी प्रक्रिया एक निर्धारित समिति की निगरानी में संपन्न हुई है। यदि शिकायत के आधार पर कोई जांच या पूछताछ होती है तो उसका नियमानुसार जवाब दिया जाएगा। शिकायतों के माध्यम से संस्थान की छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा है।

अल्पसंख्यक समुदायों की छात्रवृत्ति योजनाओं पर क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित

गुवाहाटी, भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय तथा असम सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण एवं विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को गुवाहाटी के बशिष्ठ चारियाली स्थित असम वाटर सेंटर के बराक कॉन्फ्रेंस हॉल में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लिए अल्पसंख्यक समुदायों की छात्रवृत्ति योजनाओं पर एक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला में असम सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के प्रतिनिधियों तथा विभिन्न उत्तर-पूर्वी राज्यों के प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया। बैठक में अल्पसंख्यक समुदायों के विद्यार्थियों के लिए संचालित छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और शिक्षा के अवसरों के विस्तार पर विस्तृत चर्चा की गई।कार्यक्रम का शुभारंभ असम सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण एवं विकास विभाग की सचिव फरीदा शमसुल (आईएएस) के स्वागत भाषण से हुआ। इस अवसर पर भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के उप सचिव सुदीप दत्ता सहित विभिन्न राज्यों से आए गणमान्य प्रतिनिधियों का सम्मान भी किया गया।कार्यशाला के दौरान असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, नगालैंड और त्रिपुरा के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने राज्यों में छात्रवृत्ति योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति पर विस्तृत प्रस्तुतियां दीं। उन्होंने योजनाओं की उपलब्धियों, चुनौतियों और सुधार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम के समापन पर मंत्रालय के अधिकारियों और सहभागी राज्यों के प्रतिनिधियों के बीच संवादात्मक चर्चा आयोजित की गई।

संविदा कर्मी दीपक चरवाल प्रकरण में खाचरियावास ने सरकार को घेरा

जयपुर,। पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज से जुड़े संविदा कर्मी दीपक चरवाल की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए राज्य सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक व्यक्ति की मौत नहीं, बल्कि सरकार की गलत और संवेदनहीन नीतियों का परिणाम है।घटना की जानकारी मिलने के बाद खाचरियावास एसएमएस अस्पताल पहुंचे और वहां मौजूद संविदा कर्मचारियों से मुलाकात कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। उन्होंने कर्मचारियों की समस्याएं सुनीं और उनकी मांगों को मजबूती से उठाने का आश्वासन दिया। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के संविदा कर्मी दीपक चरवाल की आत्मदाह की घटना अत्यंत दुखद, पीड़ादायक और चिंताजनक है। उनका आरोप है कि संविदा कर्मियों को हटाने के सरकारी फैसले और रोजगार की अनिश्चितता ने हजारों कर्मचारियों को मानसिक तनाव में डाल दिया है। दीपक भी अपने भविष्य और नौकरी को लेकर चिंतित थे। उन्होंने कहा कि वर्षों से सेवा दे रहे संविदा कर्मचारियों के भविष्य को अंधकार में धकेलने का काम भाजपा सरकार ने किया है। सरकार की नीतियों के कारण कर्मचारियों में निराशा और असुरक्षा का माहौल है, जिसके चलते एक परिवार ने अपना सदस्य खो दिया। कांग्रेस नेता ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दीपक चरवाल के परिजनों को पर्याप्त आर्थिक सहायता, सरकारी नौकरी और न्याय दिलाने की मांग की। साथ ही उन्होंने संविदा कर्मचारियों की नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित करने और सरकार से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया।खाचरियावास ने कहा कि सरकार को इस घटना की नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए। प्रदेश के लाखों कर्मचारी भय और असुरक्षा के माहौल में काम कर रहे हैं और उनकी चिंताओं का समाधान करने के बजाय उन्हें बेरोजगारी की ओर धकेला जा रहा है। उन्होंने कहा कि दीपक चरवाल को न्याय मिले और संविदा कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित किया जाए।' साथ ही सरकार से ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए संवेदनशीलता के साथ ठोस कदम उठाने की मांग की।

दिल्ली पुलिस ने ऑटो-लिफ्टर गैंग का भंडाफोड़ किया, छह गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। वाहन चोरी और आदतन अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है और कई अलग-अलग अभियानों में 15 चोरी की दोपहिया गाड़ियां बरामद की हैं। यह कार्रवाई कई पुलिस थानों में समन्वित तरीके से की गई। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह अभियान दिल्ली पुलिस वेस्ट जिले की टीमों द्वारा चलाया गया, जिसमें थाना तिलक नगर, थाना मायापुरी और थाना पंजाबी बाग शामिल थे। इस अभियान के दौरान 11 वाहन चोरी के मामलों का भी खुलासा हुआ और एक अवैध हथियार भी बरामद किया गया। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि वेस्ट डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने ऑटो-लिफ्टर और आदतन अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की है। छह आरोपी गिरफ्तार किए गए, 15 चोरी की दोपहिया गाड़ियां बरामद हुईं और 11 मामलों का खुलासा किया गया।पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई वाहन चोरी, संपत्ति अपराध और आदतन अपराधियों के खिलाफ लगातार चल रहे अभियान का हिस्सा थी। इसमें तकनीकी निगरानी, गुप्त सूचना और फील्ड इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया गया।इन अभियानों के दौरान कुल छह आरोपियों को पकड़ा गया और 15 चोरी की दोपहिया गाड़ियों के साथ एक बटन से चलने वाला अवैध चाकू भी बरामद किया गया।

एक मामले में, पुलिस ने गुरप्रीत सिंह उर्फ लाली को गिरफ्तार किया, जिसे थाना तिलक नगर का कुख्यात ऑटो-लिफ्टर बताया गया है। उसे नजफगढ़ रोड स्थित एम-ब्लॉक पार्क के पास जाल बिछाकर पकड़ा गया। उसके पास से दो चोरी की मोटरसाइकिल और एक स्कूटी बरामद हुई। पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर एक और चोरी की बाइक भी मिली।एक अन्य बड़ी कार्रवाई में एएटीएस/वेस्ट डिस्ट्रिक्ट ने एमडी. सद्दाम और सूरज को ईएसआई मेट्रो स्टेशन पार्किंग, राजौरी गार्डन के पास चोरी की होंडा एक्टिवा पर जाते समय पकड़ा। पूछताछ में उनके पास से छह और चोरी की दोपहिया गाड़ियां बरामद हुईं।पुलिस के अनुसार, आरोपी चोरी की गाड़ियों को 'मेवाती गैंग' को सप्लाई करते थे और इस पूरे नेटवर्क की जांच जारी है।एक अलग मामले में, थाना मायापुरी पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जानकारी की मदद से तीन दिन के अंदर एक मोटरसाइकिल चोरी का मामला सुलझाया और दो आरोपियों को रोहिणी से गिरफ्तार किया। उनसे चार चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुईं, जो कई थानों के मामलों से जुड़ी थीं।एक अन्य घटना में, मादीपुर पुलिस पोस्ट के सतर्क स्टाफ ने जहील पार्क के पास राजीव गुप्ता को भागने की कोशिश करते समय पकड़ लिया। उसके पास से चोरी की स्कूटी और चाकू बरामद हुआ।

बदलापुर में महिला और कैब ड्राइवर की मौत का मामलाः 3 साल के बच्चे के बयान से जांच में आया नया मोड़

ठाणे । महाराष्ट्र के बदलापुर में महिला और कैब ड्राइवर की मौत के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। घटना के समय महिला का तीन वर्षीय बेटा भी कार में मौजूद था, जिसके बयान ने मामले की जांच को नया मोड़ दे दिया है। ठाणे के बदलापुर शहर के जिवेली गांव में पिछले दिन एक महिला और ओला कैब ड्राइवर के शव मिले थे, जिससे सनसनी फैल गई। मृत महिला की पहचान मनीषा भोसले के रूप में हुई, जबकि मृत ओला कैब ड्राइवर गणेश शिंदे घाटकोपर का रहने वाला था। प्रारंभिक पूछताछ में महिला के तीन वर्षीय बेटे ने पुलिस को बताया कि 'ड्राइवर काका (कैब ड्राइवर) ने मेरी मां की हत्या की।' बच्चे के इस बयान के बाद पुलिस अब इस दिशा में भी जांच कर रही है। हालांकि, इसके बाद ओला चालक गणेश शिंदे की मौत कैसे हुई, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि चालक की हत्या हुई या उसने आत्महत्या की। डीसीपी सचिन गोरे ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद बदलापुर पुलिस मौके पर पहुंची थी और पंचनामा कर जांच पूरे मामले की शुरू की थी। पुलिस के अनुसार, मनीषा भोसले जिवेली गांव की निवासी थीं, जबकि उनके पति घाटकोपर में चाय का व्यवसाय करते हैं। महिला और कैब ड्राइवर के बीच क्या संबंध थे, दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था या नहीं और इस दोहरे मौतकांड के पीछे की असली वजह क्या है, इन अलग-अलग पहलुओं की जांच पुलिस कर रही है।

एम एम खान उर्फ फिरोज मंडल ब्यूरो गोरखपुर थाना सिकरीगंज जनपद गोरखपुर दिनांक 12.06.2026

हत्या का प्रयास करने के आरोप में 01 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

अपराधों पर अंकुश लगाने एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलायें जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक दक्षिणी के मार्गदर्शन में व क्षेत्राधिकारी खजनी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक सिकरीगंज के नेतृत्व में उ0नि0 राजेश कुमार सिंह मय पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 0148/2026, धारा 191(2),191(3),109(1),115(2), 117(2),352,351(3) बीएनएस व 3(1) द,ध एससी/एसटी एक्ट व 3(2)(5) एससी/एसटी एक्ट से संबंधित अभियुक्त संजय गुप्ता को गिरफ्तार किया गया । अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है

घटना का संक्षिप्त विवरण-

दिनांक 22.05.2026 को अभियुक्तगण द्वारा पूर्व मे हुए विवाद को लेकर वादी को गाली गुफ्ता दे रहे थे जिसका वादी व वादी के साथियों द्वारा विरोध करने पर अभियुक्तगण द्वारा वादी व वादी के साथियों को लोहे के राड, लाठी- डण्डा से जान से मारने की नीयत से मारा पीटा गया, जिससे वादी व वादी के साथियों को गम्भीर चोटें आयी । जिसके संबंध में थाना स्थानीय पर प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा उपरोक्त पंजीकृत किया गया ।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम व पता- संजय गुप्ता पुत्र दीनानाथ गुप्ता निवासी दुधरा बाजार थाना सिकरीगंज जनपद गोरखपुर गिरफ्तारी के अभियोग का विवरण-

मु0अ0सं0 148/2026, धारा 191(2), 191(3), 109(1), 115(2), 117(2), 352, 351(3) भा0न्या0सं0 व 3(1) द,ध एससी/एसटी एक्ट व 3(2)(5) एससी/एसटी एक्ट थाना सिकरीगंज जनपद गोरखपुर

गिरफ्तारी की टीम-

1. प्र0नि0 अंजुल कुमार चतुर्वेद्वी थाना सिकरीगंज जनपद गोरखपुर
2. उ0नि0 राजेश कुमार सिंह थाना सिकरीगंज जनपद गोरखपुर
3. कां0 अखिलेश यादव थाना सिकरीगंज जनपद गोरखपुर

कलेक्ट्रेट सभागार में कर करेत्तर एवं सीएम डैशबोर्ड की राजस्व वसूली संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित

एम एम खान उर्फ फिरोज मंडल ब्यूरो महराजगंज

12 मई 2026, जिलाधिकारी श्री गौरव सिंह सोगरवाल द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में कर करेत्तर एवं सीएम डैशबोर्ड की राजस्व वसूली संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में जिलाधिकारी महोदय ने मण्डी समिति, खाद्य एवं औषधि प्रसंस्करण, खाद्य पदार्थ, जनपद मे गन्ना भुगतान, डूडा आवास, पीएम स्वनिधि, कृषि एवं गैर-कृषि भूमि, अधिवास, आय-जाति प्रमाण पत्र व राजस्व वादों के निस्तारण, एण्टी-भू-माफिया, मुख्यमंत्री कृषि दुर्घटना बीमा, राजस्व वसूली, स्वामित्व, एआरटीओ, खनन, स्टाम्प, आई.जी.आर.एस. आदि बिंदुओं की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के सापेक्ष शतझ प्रतिशत प्रगति को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन विभागों के लक्ष्यों का पुनः निर्धारण किया जाना है वे अपने अपने विभाग से आवश्यक कार्यवाही कर लक्ष्यों का निर्धारण करें, ताकि आगामी बैठक में निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति की समीक्षा की जा सके। राजस्व वसूली को शतझप्रतिशत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी महोदय ने सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग की समीक्षा करते हुए कहा कि जनपद की रैंकिंग बढ़ाने हेतु कार्य करें, ताकि जनपद की रैंकिंग कम न हो। उन्होंने नगर विकास की समीक्षा करते हुए सभी ईओ को निर्देशित किया कि आगामी बैठकों में अपरिहार्य कारण के अतिरिक्त समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने पर उनके विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने समस्त उपजिलाधिकारी को निर्देशित किया कि वे जनपद के सभी मंडी समितियों का नियमित जांच करते हुए मंडी सचिव की शिथिलता एवं लापरवाही मिलने पर अपनी जांच आख्या मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। बैठक में अपर जिलाधिकारी डॉ प्रशांत कुमार, उपजिलाधिकारी व तहसीलदारगण, जिला आबकारी अधिकारी सहित समस्त अधिशासी अधिकारी व संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पशु तस्करी का अपराध कारित करने के आरोप में 01 नफर वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

एम एम खान उर्फ फिरोज मंडल ब्यूरो गोरखपुर

थाना पिपराइच जनपद गोरखपुर दिनांक 12.06.2026 अपराधों पर अंकुश लगाने एवं अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, पुलिस अधीक्षक उत्तरी के मार्गदर्शन में, क्षेत्राधिकारी चौरी चौरा के पर्यवेक्षण में व प्रभारी निरीक्षक पिपराईच के नेतृत्व में उ0नि0 राहुल दूबे द्वारा पुलिस टीम के साथ थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0- 226/26 अंतर्गत धारा 3/5अ/8 गौ हत्या निवारण अधिनियम, 11 पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 109,3(5),190 BNS से सम्बंधित अभियुक्त धर्मेंद्र प्रसाद पुत्र अयोध्या प्रसाद निवासी सीसहन बाड़ी टोला थाना नेबुआ नौरंगिया जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार किया गया। अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम व पता-

धर्मेंद्र प्रसाद पुत्र अयोध्या प्रसाद निवासी सीसहन बाड़ी टोला थाना नेबुआ नौरंगिया जनपद कुशीनगर

गिरफ्तारी के अभियोग का विवरण-

मु0अ0स0- 226/26 अंतर्गत धारा 3/5A/8 गौ हत्या निवारण अधिनियम, 11 पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 109,3(5),190 इठर थाना पिपराईच गोरखपुर

गिरफ्तारी की टीम-

1. प्रभारी निरीक्षक विवेक त्रिवेदी थाना पिपराइच जनपद गोरखपुर
2. उ0नि0 राहुल दुबे थाना पिपराइच जनपद गोरखपुर
3. कां0 माधव मुरारी थाना पिपराईच जनपद गोरखपुर
4. कां0 इम्तियाज थाना पिपराईच जनपद गोरखपुर

एक चिंगारी ने किसान की फसल राख में बदल दी

सिधौली, सीतापुर। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र गांव मदारी पुर मजरा सिंह पुर में दोपहर हाईटेंशन लाइन के जर्जर और लटकते तारों से निकली चिंगारी ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। अचानक लगी आग में लगभग 5 बीघा खड़ी फसल जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई।जानकारी के मुताबिक 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन से निकली चिंगारी ने खेतों में आग पकड़ ली। तेज हवा के चलते आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और आसपास की फसल को अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों ने काफी प्रयास कर आग पर काबू पाया लेकिन तब तक भारी नुकसान हो चुका था। इस अग्निकांड में विनोद और सुनील (पुत्रगण प्यारेलाल) की करीब 4 बीघा तथा कैलाश (पुत्र चन्द्रिका) की लगभग 1 बीघा फसल जलकर खाक हो गई। किसानों के सामने अब आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में बिजली के तार लंबे समय से जर्जर हालत में लटक रहे हैं। कई बार शिकायत के बावजूद विभाग द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, जिसका खामियाजा अब किसानों को भुगतना पड़ रहा है। ग्राम प्रधान रोहित सिंह ने भी बिजली व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए कहा कि पूरे क्षेत्र में तारों की स्थिति बेहद खराब है और समय रहते सुधार न किया गया तो ऐसी घटनाएं लगातार होती रहेंगी।घटना की सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार प्रथम सत्यपाल सिंह मौके पर पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। प्रशासन ने पीड़ित किसानों को हर संभव सहायता दिलाने का आश्वासन दिया है तथा मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की बात कही है।

झांसी में 'क्वेस्ट ऑफ एक्सीलेंस' कार्यशाला का हुआ भव्य आगाज

झांसी। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अनुभवात्मक कार्यशाला ह्लक्वेस्ट ऑफ एक्सीलेंसः टुवर्ड्स साइंटिफिक एंड रिसर्च पर्स्यूट्सह्व का गुरुवार को भव्य शुभारंभ हुआ। कुलपति प्रो. अशोक सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला में वैज्ञानिक सोच, अनुसंधान गुणवत्ता, नवाचार और उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता को नई दिशा देने पर जोर दिया गया। उद्घाटन सत्र में विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया कि उत्कृष्टता कोई एक लक्ष्य नहीं, बल्कि सतत प्रक्रिया है, जिसे निरंतर प्रयास, गुणवत्ता उन्नयन और शोध के प्रति समर्पण से ही हासिल किया जा सकता है।

एनटीपीसी ऊंचाहार में अम्बेडकर जयंती पर प्रतियोगिताओं की धूम

रायबरेली। एनटीपीसी ऊंचाहार में अम्बेडकर जयंती को भव्य बनाने के उद्देश्य से एससी-एसटी एसोसिएशन द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में कक्षा एक से बारह तक के स्कूली बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए निबंध और सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताएं विशेष रूप से आयोजित की गई। एसोसिएशन के अध्यक्ष आनंद लोहकरे ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य बच्चों को डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन, विचारों और व्यक्तित्व से परिचित कराना तथा उनसे प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। सभी विजेताओं को अम्बेडकर जयंती के मुख्य समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने में नरेंद्र बंसल, संतोष रावत, राहुल कनौजिया एवं विद्यालय के शिक्षकों का विशेष योगदान रहा। प्रतियोगिताओं में छात्रों का उत्साह देखने लायक था। परियोजना प्रमुख बिस्व मोहन सिंह, प्रियदर्शिनी महिला क्लब की अध्यक्षा रश्मि देबाता, महाप्रबंधक आशुतोष बिस्वास और मानव संसाधन प्रमुख पंकज कुमार ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी सक्रिय भागीदारी की सराहना किया।

डीएम ने महेशभारी–भैसहवा मार्ग के चौड़ीकरण कार्य का किया निरीक्षण

बलरामपुर। जिलाधिकारी डॉ विपिन जैन द्वारा ने जनपद में लोक निर्माण विभाग (निर्माण खण्ड) के अंतर्गत निमार्णाधीन महेश भारी-भैसहवा मार्ग (ड.ऊफ) के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़क की खुदाई कराकर निर्माण सामग्री की गुणवत्ता को बारीकी से परखा। निर्धारित समयावधि तक कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कार्य में तेजी लाए जाने के सख्त निर्देश दिए और कार्यदायी संस्था को निर्धारित समयावधि तक हर हाल में काम पूरा करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय सीमा में लापरवाही बरतने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बताते चलें कि जनपद के लोक निर्माण विभाग (निर्माण खण्ड) द्वारा राज्य योजना के अंतर्गत महेश भारी-भैसहवा मार्ग (O.D.R.) के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य कराया जा रहा है। इस परियोजना की कुल स्वीकृत लंबाई 18.80 किलोमीटर है जिसे वर्तमान 3.00 मीटर की चौड़ाई से बढ़ाकर 5.50 मीटर किया जा रहा है। शासन द्वारा इस कार्य के लिए दिनांक 31.03.2025 को शासनादेश जारी किया गया था जिसके क्रम में 2744.46 लाख रुपये की लागत से दिनांक 21.11.2025 को कार्य प्रारंभ किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने आबादी वाले हिस्सों में चल रहे W.M.M./C.C. कार्य को तेजी से पूरा करने और गुणवत्ता मानकों का शत-प्रतिशत पालन करने के निर्देश दिए। इस दौरान अधिशाषी अभियंता पीडब्लूडी सहित अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

एसएससी सीजीएल में चयनित हुआ ऊंचाहार का होनहार

ऊंचाहार, रायबरेली। राष्ट्रीय स्तर की एसएससी सीजीएल में ऊंचाहार के एक होनहार बेटे का चयन हुआ है। इस बेटे की सफलता पर पूरा क्षेत्र गदगद है। लोगों ने उसे बधाई देकर उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। मूल रूप से ऊंचाहार निवासिनी किरन कौशल के बेटे का चयन आदित्य कौशल का चयन एसएससी सीजीएल में हुआ है। भारत सरकार कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली इस परीक्षा में आदित्य का चयन वित्त मंत्रालय में कार्यालय अधीक्षक के पद पर हुआ है। आदित्य भाजपा के ओबीसी मोर्चा के प्रांतीय मंत्री अभिलाष कौशल के भांजे है। उनके चयन पर ऊंचाहार में मिठाई बांटी गई और क्षेत्र के संभ्रांत लोगों ने बधाई दी। बौद्धिक विचार मंच के संयोजक रतीपाल शुक्ल, इंटर कालेज के पूर्व प्रवक्ता शिवकरन त्रिपाठी, जिला पंचायत के पूर्व सदस्य जितेंद्र बहादुर सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन सिंह, पूर्व प्रधान लालचंद कौशल, हीरालाल गुप्ता, नगर पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष बाबा ज्ञान सिंह आदि ने इस शानदार सफलता पर होनहार छात्र को बधाई दी है।

धोखाधड़ी करने के आरोप में 10,000 रुपये का इनामिया/वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

एम एम खान उर्फ फिरोज मंडल ब्यूरो गोरखपुर थाना गगहा जनपद गोरखपुर दिनांक 12.06.2026

धोखाधड़ी के अपराधों पर अंकुश लगाने एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, पुलिस अधीक्षक दक्षिणी के मार्गदर्शन में, क्षेत्राधिकारी बाँसगाँव के पर्यवेक्षण में व प्रभारी निरीक्षक गगहा के नेतृत्व में मय पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-228/2024 धारा 419,420,467,468,471 भादवि से संबंधित वांछित/अभियुक्त मदन मोहन मोदनवाल पुत्र स्व0 घनश्याम ग्राम सोनईचा थाना गगहा जनपद गोरखपुर को गिरफ्तार किया गया । अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

घटना का संक्षिप्त विवरण-

अभियुक्त द्वारा वादी को बहला फुसला कर वादी के दो पोतियों के नाम से बैंक में रुपये जमा कराने के नाम पर दिनांक 05.06.2017 को 01 लाख रुपये व दिनांक 10.06.2021 को 02 लाख रुपये एफडी के नाम पर रुपये लेकर फर्जी रसीद दे देना, जिसके संबंध में थाना स्थानीय पर प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा उपरोक्त पंजीकृत किया गया ।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम व पता-

मदन मोहन मोदनवाल पुत्र स्व0 घनश्याम ग्राम सोनईचा थाना गगहा जनपद गोरखपुर

गिरफ्तारी के अभियोग का विवरण-

मु0अ0सं0- 228/2024 धारा 419,420,467,468,471 भा0द0सं0 थाना गगहा जनपद गोरखपुर

गिरफ्तारी की टीम-

1. उ0नि0 आनन्द कुमार थाना गगहा जनपद गोरखपुर
2. उ0नि0 अंकुर कुमार यादव थाना गगहा जनपद गोरखपुर
3. हे0का0 रामप्रवेश यादव थाना गगहा जनपद गोरखपुर
4. का0 धर्मेन्द्र यादव थाना गगहा जनपद गोरखपुर

'मिशन-शक्ति फेज-5.0' फेज-2 के विशेष अभियान के अन्तर्गत थानों के पुलिस बल द्वारा विभिन्न स्थानों पर जाकर महिलाओं/बालिकाओं को जागरूक किया गया

एम एम खान उर्फ फिरोज मंडल ब्यूरो गोरखपुर मिशन शक्ति जनपद गोरखपुर दिनांक 12.06.2026

पुलिस अधीक्षक अपराध/नोडल मिशन-शक्ति गोरखपुर के पर्यवेक्षण में ₹मिशन-शक्ति अभियान₹ के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सम्मान, स्वावलमंबन, सशक्तिकरण व विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से जागरूक करने हेतु जनपद के समस्त थानों पर नियुक्त मिशन शक्ति टीम, पीआरवी व अन्य पुलिस बल द्वारा विभिन्न स्थानों पर जाकर

जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बालिकाओं/महिलाओं को शासन की कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराते हुए महिला एवं बच्चों से सम्बन्धित विभिन्न कानूनों यथा- घरेलू हिंसा से संरक्षण अधि0, दहेज प्रतिषेध अधि0, कार्य स्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण अधि0, अनैतिक व्यापार निवारण अधि0, पॉक्सो एक्ट, बाल विवाह प्रतिषेध अधि0, बाल श्रम कानून एवं भारतीय दण्ड संहिता में महिलाओं की गरिमा के विरूद्ध विभिन्न अपराधों आदि के संबंध में जानकारी दी गई । महिला हिंसा से सम्बन्धित तथा अन्य शिकायतों के निवारण हेतु विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर/फोरम- वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन- मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन नम्बर-1076, चाइल्ड हेल्प लाइन नम्बर 1098, वन स्टाप सेण्टर-181, साइबर हेल्प लाइन 1930, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन 102, एम्बुलेंस सेवा-108, जनसुनवाई पोर्टल, स्थानीय थाने की महिला हेल्प डेस्क, जिला संरक्षण अधिकारी, राष्ट्रीय/राज्य महिला आयोग, जनपद न्यायालय में स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आदि के संबंध में भी जानकारी दी गई एवं पंपलेट का वितरण किया गया।

सक्रिय गैंग का भण्डाफोड़, बड़े साइबर अपराध के संगठित गिरोह के 2 शातिर गिरफ्तार

सादुल्लाहनगर। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने जनपद में साइबर अपराध से सम्बन्धित हॉटस्पॉट के विरुध्द कार्यवाही किये जाने हेतु दिये गये सख्त निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नोडल अधिकारी साइबर क्राइम विशाल पाण्डेय व पर्यवेक्षण अधिकारी साइबर क्राइम क्षेत्राधिकारी तुलसीपुर अपराध डॉ जितेन्द्र कुमार के निकट पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष सत्येन्द्र वर्मा थाना सादुल्लानगर जनपद बलरामपुर के नेतृत्व में धारा 318(4), 319(2), 336(3), 338 बीएनएस व धारा 66 डी आईटी एक्ट के बावत अभियुक्तगण

द्वारा संगठित तरीके से साइबर ठगी का नेटवर्क संचालित करने, लोगों को छङ्क२३२ ट्रांसपोटेशन/माल ढुलाई (गुड्स कैरियर) के नाम पर फर्जी पहचान के माध्यम से लोगों का विश्वास जीतकर साइबर ठगी कर विभिन्न बैंको में अलगझअलग बैंक खाते खुलवाकर उसमें साइबर ठगी की धनराशि मंगवाते थे तथा ठगी की धनराशि को चेक व एटीएम के माध्यम से निकालकर दूसरे बैंक खातों में जमा कर सेटलमेन्ट करते थे जिससे बैंक खाता में ठगी की धनराशि को होल्ड न हो सके। अभियोग से सम्बन्धि 2 अभियुक्त देवा तिवारी पुत्र अनूप कुमार तिवारी निवासी भगवड़ा देवरिया इनायत थाना सादुल्लानगर जनपद बलरामपुर व दीपक कुमार शुक्ला पुत्र स्वर्गीय श्याम मूरत शुक्ला मधुपुर मनकापुर थाना मनकापुर जनपद गोण्डा को संकटा चौराहा सादुल्लानगर के पास से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही कर न्यायालय भेजा जा रहा है। **अपराध करने का तरीका** अभियुक्तगण संगठित तरीके से साइबर ठगी करने वाले एक संचालित नेटवर्क के सक्रिय सदस्य हैं जिसमें ये लोग ग्राहकों जरुरतमंदो से माल छङ्क२३२ ट्रांसपोटेशन ढुलाई (गुड्स कैरियर) के नाम पर कम दरों में आकर्षित कर उनसे एडवांस के रूप में धनराशि ली जाती थी तथा लोगो का विश्वास जीतने के लिए विभिन्न फर्जी पहचान का प्रयोग किया जाता था। एडवान्स के रुप में ली जाने वाली धनराशि गिरोह के सदस्यों द्वारा खुलवाये गये विभिन्न बैंक खातों में मगवायी जाती थी तथा पैसा खाते में आते ही उसे तुरंत चेक/एटीएम के माध्यम से निकालकर गिरोह के मास्टरमाइंड द्वारा उपलब्ध कराये गये अन्य बैंक खाते में स्थानांतरित कर दिया जाता था जिससे धनराशि भेजने वाले को साइबर ठगी का एहसास होने पर जब वह साइबर फ्राड की शिकायत करे तो धनराशि होल्ड न हो जाये। बैंक खाता होल्ड होने पर अभियुक्तगणों द्वारा बैंक खाते से सम्बन्धित सिम निकाल कर फेक दिया जाता था तथा अन्य नये बैंक खाता व सिम का प्रबन्ध साइबर फ्राड की धनराशि के सेटलमेन्ट हेतु किया जाता था। उक्त दोनों पर हरियाणा में अभियोग पंजीकृत है तथा दीपक शुक्ला साइबर फ्राड के प्रकरण में पूर्व में हरियाणा पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल जा चुका है। अभियुक्त दीपक पूर्व में कोलकाता में रह रहा था। वहीं से साइबर अपराध करने वाले गिरोह के संपर्क में आया तथा वही से अपना साइबर अपराध कार्य प्रारम्भ कर दिया तथा अपने ग्रुप में देवा तिवारी को सक्रिय सदस्य के रुप में शामिल कर लिया। अभियुक्तगण के पास से बरामद मोबाइल व अन्य साक्ष्य संकलन से अभी तक कुल 10 बैंक खाते प्राप्त हुये हैं जिन पर विभिन्न राज्यों में कुल 11 साइबर से सम्बन्धित शिकायते दर्ज हैं। प्राप्त बैंक खातों में एक बैंक खाते का विवरण प्राप्त किया गया है जिसमें अभियुक्तगणों द्वारा लगभग 16 लाख रुपये का लेनदेन किया गया है शेष बैंक खातो का विवरण प्राप्त होना शेष है। **साइबर अपराध से बचाव हेतु सुझाव** ठगी का शिकार होने पर अपने नजदीकी थाने की साइबर सेल पर तत्काल संपर्क करें अथवा भारत सरकार द्वारा जारी नंबर 1930 पर कॉल करें।

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश) अब्दुल नासिर स्टेट ब्यूरो उत्तर प्रदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5–14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ– 226001 से मुद्रित तथा 486/238–डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ–226020 से प्रकाशित।

सम्पादक– शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।